

राजस्थान जनजातीय आंदोलन

चर्चा में क्यों?

दक्षिणी राजस्थान के जनजाति बहुल क्षेत्रों में एक लोकप्रिय आंदोलन **स्वदेशी बीज कसिमों** को संरक्षित करने के लिये कार्य कर रहा है, जनिमें से अधिकांशतः वल्लिपुत होने के कगार पर हैं। यह प्रयास **फसल वविधिता** को बढ़ावा दे रहा है और **जलवायु लचीलापन** बढ़ा रहा है

मुख्य बदि:

- राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात के ट्राइ-जंक्शन पर स्थिति जनजातीय क्षेत्र में लगभग 1,000 गाँवों तथा बस्तियों से हज़ारों जनजातीय लोगों ने **बीज महोत्सवों** की शृंखला में भाग लिया।
 - बीज महोत्सव में **पारंपरिक बीजों का प्रदर्शन** किया गया तथा **उनके गुणों और महत्त्व पर संवादात्मक सत्र आयोजित किये गए**।
 - जनजातियों को कई पीढ़ियों से चली आ रही **कृषिप्रथाओं के माध्यम से जैवविविधता की अपनी समृद्ध वरिसत की रक्षा** करने के लिये प्रोत्साहित किया गया।
- **कृषिक्षेत्र में बहुराष्ट्रीय कंपनियों** के बढ़ते प्रभाव के बीच **स्वदेशी बीज** जनजातीय समुदायों द्वारा संरक्षित एक महत्त्वपूर्ण वरिसत है।
- बाँसवाड़ा स्थिति स्वैच्छिके समूह **वाग्धारा बीज उत्सव कार्यक्रमों का मुख्य आयोजक** था, जसिसे अन्य **जनजाति अधिकार समूहों**, जैसे- **कृषि एवं आदवािसी स्वराज संगठन, ग्राम स्वराज समूह, सकषम समूह और बाल स्वराज** द्वारा सुवधि प्रदान की गई थी।